अपनी रूहों की जिंदगी तुम हो,
इश्क ईमान बंदगी तुम हो

1- इस जिमी पर घना अंधेरा है
सिर्फ अपनी तो रोशनी तुम हो

2-मैं जिधर भी नजर उठाती हूँ
हर तरफ मेरे बस तुम्हीं तुम हो

3- अब किसी से न वफा की उम्मीदें
साथ में मेरे मेहरबान तुम हो

4- अब कोई आरजू नहीं बाकी
आरजू मेरी बस तुम्हीं तुम हो

Nijanand App